भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 858

दिनांक 12.12.2022 को उत्तर के लिए

ईईएटी के क्रियाकलाप

858. श्रीमती पूनम महाजन :
श्री जी. एम. सिद्धेश्वर :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान पर्यावरणीय शिक्षा, जागरूकता और प्रशिक्षण (ईईएटी) प्रभाग के क्रियाकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इस प्रभाग को कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) पर्यावरण संरक्षण में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ईईएटी प्रभाग द्वारा क्या विभिन्न पहल की गई हैं;

(घ) क्या मंत्रालय ने ईईएटी क्षेत्र में संपूर्ण देश के शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ कुछ समझौता-ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (ग) पर्यावरणीय शिक्षा, जागरुकता और प्रशिक्षण (ईईएटी) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लागू की गई केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना है जिसका उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस योजना के तहत दो प्रमुख कार्यक्रमों अर्थात राष्ट्रीय हरित कोर (एनजीसी) कार्यक्रम और राष्ट्रीय प्रकृति शिविर कार्यक्रम (एनएनसीपी) के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया था।

एनजीसी कार्यक्रम के तहत, पर्यावरण मुद्दो पर छात्रों को शिक्षित करने तथा जागरुकता बढ़ाने के लिए विद्यालयों एवं कॉलेजों में एक लाख से अधिक इको-क्लब स्थापित किए गए हैं। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में 500 स्कूल ईको क्लब तथा प्रति राज्य 100 स्कूल ईको क्लब की सीमा तक 5000 रुपए प्रति ईको-क्लब वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ईको-क्लबों द्वारा की गई गतिविधियों में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, महत्वपूर्ण पर्यावरण दिवस समारोह आयोजित करना, अपशिष्ट पृथक्करण, पर्यावरणीय संकल्पों आदि के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरुकता और क्षमता निर्माण शामिल है।

इसके अतिरिक्त, एनएनसीपी के तहत, छात्रों के लिए देश के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों/प्राकृतिक उद्यानों/बाघ संरक्षणों में क्षेत्र के दौरे करने/प्रकृति शिविर आयोजित करने के लिए सहायता दी गई और इन शिविरों के दौरान प्राकृतिक रास्तों में देखे गए वनस्पति और जीव जन्तुओं की जांच सूची तैयार करने, पक्षियों को देखने, ट्रेकिंग करने, हरियाली बनाए रखने की प्रतिज्ञा लेने, सामूहिक चर्चा करने, अनुभवों को साझा करने जैसी गतिविधियां की गई। इन शिविरों से छात्रों को 'प्राकृतिक अनुभव' प्राप्त हुए तथा उनमें प्रकृति एवं इसके संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता की क्षमता में अपार वृद्धि हुई। इस कार्यक्रम के तहत 2 रातों और 3 दिनों के शिविर के लिए प्रत्येक छात्र को 2000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती थी, जिसमें प्रति राज्य/संघ राज्य क्षेत्र 20 शिविरों की सीमा निर्धारित थी।

उपरोक्त कार्यक्रम संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी), प्रशासन द्वारा नामित राज्य नोडल एजेंसियों के माध्यम से कार्यान्वित किए गए थे। पिछले तीन वर्षों के दौरान इस योजना के लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

(राशि करोड़ रु. में)

वित्तीय वर्ष	**अनुमानित बजट (बीई)**	**संशोधित अनुमान (आरई)**
2019-20	50.00	55.00
2020-21	87.36	45.00
2021-22	60.00	60.00

ईईएटी योजना को चालू वित्त वर्ष के दौरान ''पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम'' में नया रूप दिया गया है।

(घ) और (ङ) ईईएटी योजना के तहत देश भर के शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ किसी भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।

*****